

18-12-20

आमिलेरा उपस्थापित । उभय पत्र
उपस्थित । उपरोक्त वाद के उभय पत्र
की आद से समुक्त उल्लेखनामा आविदन
देकर निवेदन किया गया है कि उभय
पत्र के द्वारा मीठा रसि नामा शिकारानु
व्याज नं० ४ । राई आमीर के खाना नं०
२७ लोह नं० ३५७ रकवा ०५७ सी० मध्ये
२५० पर धारा १५५ द०७० का के तद
द्वारा पत्र के उपलब्धता द्वारा किया
जाया है निश्चय शीघ्र निम्न ही

उत्तर - उभय पत्र

दक्षिण - लोह नं० ३५७ का नाम (उभय पत्र)

देश की जगह एवं
दिनांक

पूर्व - आगे रहना

पश्चिम - पश्चिम पक्ष

उत्तर पक्ष उपरोक्त खाली नं० 77 प्लॉट

नं० 357 प्लॉट 2510 के संबंध में आपस
में सुलहनामा का बंधन है तथा वही भाग

में उत्तर पक्ष के बीच किसी प्रकार का
विवाद नहीं है एवं न ही मतिव्यक्त है

है। पश्चिम पक्ष का विवादित भाग

2510 प्लॉट किसी प्रकार का मालिकाना हक का

दावा नहीं करेगा। उक्त विवादित भाग का

मालिक एवं हकदार दिव्य पत्र दीगन्धु

प्रमाणिक वगैरह है। निम्न पश्चिम पक्ष का

किसी प्रकार का दावा नहीं है। उपरोक्त

भाग का मालिक दिव्य पत्र है एवं

अविष्यक्त भी रहेगा। इस वाद को

समाप्त करने की सुझाव है।

उत्तर पक्ष के उपरोक्त सुलहनामा

आवदन को स्वीकार किया जाता है

एवं उपरोक्त वाद को समाप्त करने पर

वाद में कपिलदेव की कावाही बंद की जाती है।
एक अनुषंग में शान्ति व्यवस्था बनाये रहने की प्रार्थना है।

कार्यपालक दफ्तर

30/5

कार्यपालक दफ्तर

30/5